विश्व हिंदी दिवस के अवसर पर उच्चायुक्त श्री अशोक कुमार का सन्देश (10 जनवरी 2022)

नमस्कार,

देवियों और सज्जनों ,

आज विश्व हिंदी दिवस के शुभ अवसर पर मैं ज़ाम्बिया में रहने वाले सभी हिंदी प्रेमियों का हार्दिक अभिनंदन करता हू। आप सबको नव वर्ष की भी ढेरो शुभकामनाएं। आप सबको यह बताते हुए मुझे अत्यंत हर्ष की अनुभूति हो रही है कि विश्व हिंदी दिवस का आयोजन प्रतिवर्ष 10 जनवरी को किया जाता है। प्रथम विश्व हिंदी सम्मलेन का आयोजन 10 जनवरी, 1975 को नागपुर में हुआ था, अतः ये निर्णय लिया गया था कि 10 जनवरी का दिन विश्व हिंदी दिवस के रूप में मनाया जायेगा। विश्व में हिंदी प्रचारित प्रसारित करने के उद्देश्य से विश्व हिंदी सम्मलेन का आयोजन आरम्भ किया गया था। अब तक ग्यारह विश्व हिंदी सम्मेलनों का आयोजन किया जा चुका है। विश्व हिंदी दिवस का उद्देश्य विश्व में हिंदी के प्रचार प्रसार के लिए वातावरण तैयार करना, हिंदी के प्रति अनुराग पैदा करना, हिंदी के प्रयोग के लिए जागरूकता बढ़ाना तथा हिंदी को विश्व भाषा के रूप में प्रस्तुत करना है। ज़ाम्बिया में स्थित भारतीय उच्चायोग पर हिंदी को प्रचार प्रसार करने की भी जिम्मेदारी है और इसके लिए उच्चायोग द्वारा समय-समय पर विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया जाता है।

यह हमारे लिए गर्व का विषय है कि हिंदी विश्व में सर्वाधिक प्रचलित भाषाओ में से एक है। अंतराष्ट्रीय स्तर पर भारत के बढ़ते प्रभाव के साथ विश्व के सभी देशो में हिंदी सीखने के प्रति रूचि लगतार बढ़ रही है। हिंदी भाषा का आज तकनीक से भी जुड़ाव हो रहा है जिससे निश्चय ही हिंदी को विश्व भाषा के रूप में स्थापित करने में सहायक सिद्ध होगा।

देवियो, सज्जनो और प्यारे बच्चो,

हिन्दी भारत की राजभाषा और भारत की सबसे अधिक बोली और समझी जाने वाली भाषा है। आज हिंदी भारत ही नहीं अपितु फीजी, मॉरीशस, गयाना, सूरीनाम, यूरोप, अमेरिका, नेपाल व अन्य देशो में बोली, पढाई और समझी जा रही है जिससे हिंदी-सेवा से वैश्विक मानचित्र में हिंदी का एक नया व प्रबल चित्र उभर रहा है। गुण और परिमाण में समृद्ध, यह समर्थ व वैज्ञानिक

लिपि वाली भाषा देश-विदेश में आधुनिक चुनौतियों को लांघते हुए विश्वव्यापी बन रही है।

हिन्दी को एक सक्षम और समर्थ भाषा बनाने के लिए अलग-अलग क्षेत्रों के लोगों ने उल्लेखनीय भूमिका निभाई है। इन सब प्रयासों का ही परिणाम है कि वैश्विक मंच पर हिन्दी लगातार अपनी मजबूत पहचान बना रही है।

देवियो, सज्जनो और प्यारे बच्चो,

विगत कुछ वर्षों में वैश्विक स्तर पर हिंदी के प्रचार-प्रसार के लिए उल्लेखनीय प्रयास हुए है। हिन्दी को प्रतिष्ठा दिलाने का काम नियमित तथा सुसम्बद्ध तरीके से हो तथा भारत के बाहर के देशों में भी हिन्दी का प्रचार प्रसार हो, इसके लिए मॉरिशस में विश्व हिंदी सचिवालय की स्थापना भी की गई है। जिससे हिन्दी के प्रचार प्रसार को और बढ़ावा मिल रहा है। विश्व हिंदी सचिवालय में पाणिनि भाषा प्रयोगशाला की भी स्थापना की गई है।

माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी द्वारा संयुक्त राष्ट् संघ तथा अन्य अंतराष्ट्रीय मंचो पर हिंदी में सम्बोधन से हिंदी को वैश्विक पटल पर एक नई पहचान मिली है। हिंदी को संयुक्त राष्ट्र संघ की आधिकारिक भाषा बनाने के लिए भी भारत सरकार प्रयत्नशील है। वर्तमान में संयुक्त राष्ट् संघ द्वारा वर्तमान में साप्ताहिक हिंदी बुलेटिन का प्रसारण किया जा रहा है।

विश्व भर में हिंदी की लोकप्रियता का अनुमान इस बात से भी लगाया जा सकता है की आज ऑक्सफ़ोर्ड शब्दकोष में हिंदी के लगभग 400 से ज्यादा शब्द है और नित नये शब्द प्रतिवर्ष जोड़े जा रहे है।

आज विश्व हिंदी दिवस के सुअवसर पर हम मूल कार्यों में अपनी मातृभाषा के साथ राजभाषा हिंदी का उत्तरोत्तर प्रयोग करने का संकल्प लें।

हिंदी के प्रचार प्रसार और सांस्कृतिक सम्बन्धो को मजबूती प्रदान करने के लिए उच्चायोग द्वारा प्रत्येक शनिवार एवं रविवार को चांसरी परिसर में हिंदी कक्षाओं का निःशुल्क आयोजन शुरू किया है । आप ने अभी देखा है की हिंदी कक्षाओं के हमारे छात्रों ने कितने उत्साह के साथ कविता पाठ, निबंध पाठ एवं कबीर और रहीम के दोहो का पाठन आपके सामने प्रस्तुत किया । ज़ाम्बिया के सभी निवासियों से मेरा अनुरोध है की अधिक से अधिक संख्या में इन कक्षाओं का

हिस्सा बने और हिंदी के प्रचार प्रसार में अपना योगदान दे।

एक बार फिर विश्व हिंदी दिवस के अवसर पर मैं सभी हिंदी प्रेमियों तथा हिंदी भाषियों को बधाई और शुभकामनाये देता हूँ और आशा व्यक्त करता हूं कि हिंदी भाषा के प्रचार प्रसार के लिए किये जा रहे प्रयासों में और अधिक तेजी आएगी ओर हिंदी से और अधिक लोग जुड़ेंगे।

नमस्कार।